कलेक्टर लवानिया ने धारा 144 में आदेश जारी किए

हुक्का बार और ऐसी ही अन्य गतिविधियां जिले में प्रतिबंधित

भोपाल(काप्र)।

कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी अविनाश लवानिया ने भोपाल जिले में धारा 144 के अंतर्गत आदेश जारी करते हुए भोपाल जिले की राजस्व सीमा में हुक्का बार और ऐसी ही अन्य गतिविधि संचालित करने पर प्रतिबंध लगा दिया है।

आदेश के उल्लघन पर धारा 188 में करवाई करने के आदेश संबंधित एसडीएम और अन्य अधिकारियो को दिए है। दैनिक समाचार पत्रो, इलेक्ट्रानिक मीडिया एवं सोशल मीडिया इत्यादि के माध्यम से यह संज्ञान में आया है कि भोपाल शहर में कई होटल, रेस्टोरेन्ट, बार, कैफे इत्यादि में हुक्का लाउंज बनाए गए है जहाँ बड़ी संख्या में लोगों द्वारा तंबाकू इत्यादि अनेक प्रकार के फ्लेवर का इस्तेमाल कर हुक्के का सेवन किया जाता है जिनमें ज्यादा संख्या युवक - युवतियों की होती है इसमें कई स्थानों शराब के साथ भी हुक्का सेवन कराया जा रहा है। हुक्के में इस्तेमाल किये जा रहे तंबाकू इत्यादि फ्लेवर और इससे उत्पन्न धुंआ स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होता है एवं हुक्के के इस्तेमाल से कोरोना संकमण की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है। साथ ही यह भी संज्ञान में आया है कि एक ही हुक्के को एक समय में एक से अधिक व्यक्तियों या समूह द्वारा भी सेवन किया जाता है, जिससे कोरोना वायरस के संक्रमण की संभावना अत्यधिक बढ़ जाती है। चूँकि वर्तमान समय में भोपाल जिले में कोरोना से संक्रमित लोगों की संख्या में फिर से वृद्वि होने लगी है। हुक्का बार चलने और सेवन से कोरोना संक्रमण के अधिक फैलने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है। वर्तमान समय की अप्रत्याशित स्थिति और आने वाले समय में कोरोना संक्रमण के प्रत्याशित खतरे की संभावना को देखते हुए लोगों के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के लिये होटल, रेस्टोरेन्ट, बार, कैफे इत्यादि में हुक्का सेवन के विरूद्ध प्रतिबंधात्मक कार्यवाही की जाए।कलेक्टर श्री लवानिया ने जिला भोपाल दण्ड प्रक्रिया सहिता1973 की धारा - 144 के अन्तर्गत जन सामान्य के स्वास्थ्य के हित एवं कोरोना संकमण को फैलने से रोकने के लिये भोपाल जिले की सम्पूर्ण राजस्व सीमा क्षेत्र में प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए है। भोपाल जिले में स्थित सभी होटल , रेस्टोरेन्ट , बार , कैफे एवं अन्य स्थान जहाँ हुक्का सेवन, परोसने की गतिविधियाँ संचालित हो रही है उन हुक्का पीने व परोसने की गतिविधियों को प्रतिबंधित कर दिया गया है और संबंधित सब डिवीजनल मजिस्ट्रेट , सहायक आबकारी आयुक्त, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, नगर निगम, पुलिस अधिकारीगण और खाद्य एवं औषधि निरीक्षक इस आदेश का कड़ाई से पालन कराना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए है।यह आदेश तत्काल प्रभाव से प्रभावशील होगा। इस आदेश का उल्लघंन करने वाले व्यक्ति के विरूद्ध भारतीय दण्ड संहिता की धारा 188 के अंतर्गत कार्यवाही की जायेगी।

भोपाल में कोरोना के बीच डेंगू व मलेरिया का भी मंडरा रहा खतरा

भोपाल (काप्र)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में कोरोना महामारी के बीच डेंगू और मलेरिया का भी खतरा मंडराने लगा है। शहर के विभिन्न क्षेत्रों, अति संवेदनशील क्षेत्रों, स्लम एरिया और अन्य बस्तियों में डेंगू लार्वा, मलेरिया, रैपिड टेस्ट, ब्लड स्लाइड कलेक्शन और कोरोना के बढ़ने की आशंका है। यही कारण है कि राजधानी में मलेरिया की रोकथाम के लिए विभिन्न क्षेत्रों में जांच अभियान चलाया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक, शहर के विभिन्न क्षेत्रों में डेंगू के लार्वा के लिए 29 टीमों का दल नियुक्त किया गया है जिनके द्वारा 1015 घरों का सर्वे कर किया गया और 20 घरों में लार्वा पाया गया। अलग-अलग जगहों पर आठ हजार से अधिक बर्तनों में लार्वा सर्वे किया गया, जिसमें केवल 20 बर्तनों में लार्वा पाया गया। डेंगू के लार्वा को टेमोफॉस डाल कर नष्ट किया गया। यह जानकारी देते हुए जिला मलेरिया अधिकारी अखिलेश दुबे ने बताया कि मलेरिया की रोकथाम के लिए विभिन्न क्षेत्रों में दल नियुक्त कर अभियान चलाया जा रहा है।

महिला सशक्तिकरण की मिसाल है सेवासदन

भोपाल (हिनप्र)।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर यूएनडीपी वूमन इन लीडरशिप अचीविंग एन इक्वल फ्यूचर इन ए कोविड-19 वर्ल्ड थीम पर मनाया जायेगा । सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय में यूएनडीपी का यह संकल्प कई सालों से अमल में ला रहा है। अस्पताल में 288 कर्मचारियों में से 153 महिला हैं।

मेडिकल डॉयरेक्टर डॉ. प्रेरणा उपाध्याय सहित अस्पताल में सभी 13 नेत्र रोग विशेषज्ञ महिलाएं हैं, जिन्होंने बीते 34 वर्षों में 2 लाख 74 हजार से भी अधिक लोगों की आंखों के ऑपरेशन कर उन्हें अंधत्व से बाहर निकाला है। नेत्र रोग विशेषज्ञ ही नहीं बल्कि ऑप्टोमेट्रिस्ट, पैरामेडिकल कर्मचारी, पेशेंट केयर टेकर, नर्सिज़ में तीन चौथाई अनुपात में महिलाएं ही हैं । क्वालिटी कन्ट्रोल मैनेजर और अस्पताल प्रशासक के पदों पर भी महिलाएं ही काम कर रही हैं। सेवासदन कोविड-19 के लॉकडाउन के बाद जून 2020 में खुला । उसके बाद सेवासदन नेत्र चिकित्सालय में सामान्य रूप से कामकाज शुरू हो गया । मेडिकल डायरेक्टर डॉ. प्रेरणा उपाध्याय के नेतृत्व में अस्पताल में कोविड-19 के सभी प्रोटोकॉल्स का पालन करते हुए नेत्र शल्य क्रिया और उपचार का काम शुरू हुआ ।

कोविड-19 में भी जब पूरे देश में शुरूआती दो माह पूरा लॉकडाउन था, उन दिनों में भी अस्पताल की इमरजेंसी सेवाएं चालू थी । पेशेन्ट केयर टेकर महिला कर्मचारियों ने एक लाख से भी अधिक संख्या में मास्क सिलवाये, जो भोपाल शहर की झुग्गी बस्तियों, समीपस्थ राज्य और राष्ट्रीय राजमार्गों से पैदल गुजरने वाले अप्रवासी मजदूरों तथा आसपास के ग्रामीण इलाकों में बांटे गए। महिला कर्मचारियों ने अस्पताल की रसोई में प्रतिदिन 2500 लंच पैकेट्स बनाकर जरूरतमंदों को बांटे। कोरोना महामारी में माह अप्रैल-मई 2020 में महिला कर्मचारियों की सहायता से लगभग 2 लाख लोगों की मदद हो सकी ।

इस प्रकार यूएनडीपी की थीम के अनुसार सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय में कोविड महामारी का पूरा वर्ष महिलाओं के नेतृत्व में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की गई ।

सुहाने गीतों से गुलज़ार हुआ फंदा ऑर्गेनिक फार्म्स

भोपाल (हिनप्र)।

सामाजिक संस्था बोरवन क्लब का उपक्रम फंदा ऑर्गेनिक फार्मिंग क्लब द्वारा सायंकालीन संगीत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमे संत नगर के निखरे कलाकारों ने अपनी गायकी से समा बांधा।

गायक वीरू लखानी,जगदीश आसवानी,रवि खेमचन्दानी, डॉ.रावतानी,मोहन बेलानी, हरमीत सिंघ,आशुतोष, पी कुलदीप सिंघ, अजय राजपूत,रवि नारायण सतानी आदि ने अपने अपने तराने गाये।

पारिवारिक संगीत आयोजन में एंकर श्रुति सोनी ने बच्चो व मातृ शक्ति को इंदौर गेम्स,क्विज खेलाकर कर, खूब गुदगुदाया। क्लब के अध्यक्ष जगदीश आसवानी ने आये मुख्य अतिथि राम बंसल रैनवाल,कमल वीधानी,प्रवीण प्रेमचंदानी,हरीश बिनवानी,सूरज यादव,किशोर आहूजा,सुरेश गेहानि, अमित कुन्दानी,सुनील दादलानी सहित आये समस्त जनों का स्वागत व अभिनंदन किया।

महाशिवरात्रि पर काल सर्प का पूजन नि:शुल्क: सैनिक कॉलोनी नुक्कड वाली माता मंदिर प्रागण में दिनांक 11 मार्च को शाम 6 बजे महाशिवरात्रि पर कालसर्प, पितृदोष, मंगलदोष का अनुष्ठान उज्जैन महाकाल से आचार्य चैतन्य स्वरुप महाराज द्वारा पूजन किया जाएगा। कार्यक्रम के अध्यक्ष विष्णु विश्वकर्मा ने कहा कि जिन लोगों को कालसर्प, पितृदोष, मंगल ग्रह शांति का अनुष्ठान कराना हो वो अपना रजिस्ट्रेशन नाम रवि पटेरिया, रोहित चैहान, श्याम कनोजिया, नाम लिखवा सकते है।

वयोवद्ध नर बाघ की हुई मृत्यु

भोपाल (काप्र)। वन विहार राष्ट्रीय उद्यान भोपाल में मौजूद वयोवृद्ध बाघ मुन्ना को तमाम प्रयासों के बावजूद बचाया नहीं जा सका। रविवार को सुबह इसकी मृत्यु हो गई। नर बाघ के शव का कर वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में इसे ससम्मान अग्नि को समर्पित कर दिया गया। विश्व प्रसिद्ध नर बाघ मुन्ना ने 2 मार्च 2021 से अपना सामान्य भोजन लेना बंद कर दिया था। इसके पहले इसके दोनों पैर भी लकवा ग्रस्त हो गए थे, जिससे उठने और चलने में अक्षम था। वन्य प्राणी चिकित्सक डॉ. अतुल गुप्ता एवं तीन अन्य चिकित्सकों द्वारा नर बाघ मुन्ना का इलाज किया जा रहा था।प्रथम दृष्टया इस नर बाघ की मृत्यु का कारण वृद्धावस्था होना बताया गया है। उल्लेखनीय है कि नर बाघ मुन्ना को सामान्य वन मंडल पश्चिम मंडला से 24 अक्टूबर 2019 को रेस्क्यू कर वन विहार लाया गया तब इसकी आयु 19 साल थी।

फिल्म अभिनेता राजनीतिक दलों में आते-जाते रहते हैं, उनसे कोई फर्क नहीं पड़ता, हिंसा की राजनीति करती है बीजेपीः दिग्विजय

भोपाल(काप्र)।

पश्चिम बंगाल के चुनावी घमासान के बीच फिल्म अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती के भाजपा ज्वाइन करने पर कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने तंज कसा है। उन्होंने कहा कि इस तरह फिल्म अभिनेता राजनीतिक दलों में आते- जाते रहते हैं, उनसे कोई फर्क नहीं पड़ता है।

रविवार को पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह इंदौर में निजी समारोह में हिस्सा लेने के लिए इंदौर पहुंचे थे। यहां रेसिडेंसी में प्रेस से चर्चा के दौरान दिग्विजय सिंह ने कहा-पश्चिम बंगाल में कांग्रेस, लेफ्ट फ्रंट के साथ मिलकर चुनाव लड़ रही है। हमें वहां आशा के अनुरूप नतीजे मिलेंगे। दिग्विजय सिंह ने इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। मिथुन चक्रवर्ती आज आए हैं, कल चले जाएंगे। दिग्विजय सिंह ने ममता बनर्जी के खिलाफ खड़े किए गए भाजपा उम्मीदवार शुभेंदु अधिकारी के उस बयान का भी खंडन किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी नहीं होते तो पश्चिम बंगाल बांग्लादेश का हिस्सा होता। इस पर दिग्विजय सिंह ने कहा कि 3 महीने पहले तक शुभेंदु अधिकारी कहां थे, जो अब चुनावी दौर में इस तरह की बातें कर रहे हैं। बाबूलाल चौरसिया को लेकर मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबूलाल चौरसिया पहले कांग्रेस में थे, जब उन्हें टिकिट नहीं दिया गया तो वह हिंदू महासभा के टिकट पर चुनाव लड़े थे। उन्होंने हिंदू महासभा में रहते गोडसे की विचारधारा के बारे में जो कुछ कहा उससे वह सहमत नहीं है। इसके साथ ही मध्य प्रदेश बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा द्वारा केरल और बंगाल को बचाने के लिए कुछ भी करने के बयान पर कहा कि बीजेपी किसी प्रदेश और जनता के हितों को ध्यान में रखते हुए सरकार नहीं बनाती है बल्कि व्यवसाय करती हैं। मध्यप्रदेश के लिहाज से भी यही हुआ जिस तरीके से मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा था कि यदि वापसी नहीं होती तो हम बर्बाद हो जाते। उन्होंने कहा कि जिस तरीके से कांग्रेस सरकार ने व्यापम और ई टेंडरिंग घोटाले सहित कई अन्य घोटालों को खोलना शुरू कर दिया था, उससे बीजेपी घबरा गई थी और खरीद-फरोख्त की राजनीति कर एमपी में सरकार बना ली थी। ग्वालियर से निकलने वाली गोडसे यात्रा पर उन्होंने कहा कि हिंदू महासभा बीजेपी की समान विचारधारा वाली पार्टी है।

पेज एक से जारी खबरों के शेष

कोरोना से बचाव ....

हुए। बैठक में टीकाकरण अभियान की समीक्षा की गई। अपर मुख्य सचिव स्वास्थ ने बताया कि लगभग 9 लाख व्यक्तिओं को टीके की पहली डो? लग चुकी है। मध्यप्रदेश टीकाकरण में देश में दूसरे नंबर पर है। भोपाल, इंदौर, धार, बुरहानपुर और पन्ना सहित कई जिलों में लक्ष्य से अधिक टीकाकरण हो रहा है।

ममता ने भरोसा...

ऊर्जा, एक नए संकल्प के साथ आगे बढ़ेगा। देश की तरह ही बंगाल के विकास के लिए भी अगले 25 साल बहुत अहम होने वाले हैं। इन 25 वर्षों की शुरुआत का पहला पड़ाव विधानसभा चुनाव हैं, अगले 5 वर्षों में बंगाल का विकास अगले 25 वर्षों के विकास का आधार बनाएगा। इसलिए इस बार आप सिर्फ बंगाल में सरकार बनाने के लिए वोट नहीं देंगे बल्कि बंगाल को विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए वोट करेंगे। मोदी ने भविष्यक की झलक दिखाते हुए कहा, जब 2047 में 25 साल बाद देश जब आजादी के 100 साल मनाएगा तब बंगाल सारे हिंदुस्तान को आगे ले जाने वाला बंगाल बन जाएगा। बंगाल में पोर्ट से लेकर एयरपोर्ट तक, टी से लेकर टूरिज्म तक, माछ की बात हो या भात की बात, बंगाल की माटी और समंदर में सब कुछ है। मोदी ने सभी वर्गों के विकास का भरोसा दिलाते हुए कहा, उत्तर बंगाल हो या दक्षिण बंगाल, पश्चिमांचल हो या जंगलमहल। आदिवासी हो या दलित, पिछड़े, शोषित, वंचित या हमारे शरणार्थी भाई बहन, सभी पर बराबर ध्यान दिया जाएगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने आशोल पोरिबोरतोन का नारा देते हुए कहा, मैं ब्रिगेड ग्राउंड से आपको इस आशोल पोरिबोरतोन का विश्वास दिलाने आया हूं। विश्वास, बंगाल के विकास का। विश्वास, बंगाल में स्थितियों के बदलने का। विश्वास, बंगाल में निवेश बढ़ने का। विश्वास, बंगाल के पुनर्निर्माण का। विश्वास, बंगाल की संस्कृति की रक्षा का।प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, मैं विश्वास दिलाने आया हूं कि आपके लिए, यहां के नौजवानों के लिए, किसानों, उद्यमियों, यहां की बहनों-बेटियों के विकास के लिए हम 24 घंटे दिन रात मेहनत से काम करेंगे। हम मेहनत करने में कोई कमी नहीं रखेंगे। हम पल-पल आपके लिए जिएंगे। हम पल-पल आपके सपनों के लिए जिएंगे। ये विश्वास दिलाने मैं आया हूं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, हम सिर्फ चुनाव में नहीं, हम हर पल आपका दिल जीतते रहेंगे। अपने काम के द्वारा, सेवा के द्वारा, समर्पण के द्वारा, परिश्रम के द्वारा। उत्तर बंगाल हो या दक्षिण बंगाल, पश्चिमांचल हो या जंगलमहल। आदिवासी हो या दलित, पिछड़े, शोषित, वंचित या हमारे शरणार्थी भाई-बहन, सभी पर बराबर ध्यान दिया जाएगा।ब्रिगेड परेड मैदान में जुटी भारी भीड़ देख प्रधानमंत्री मोदी काफी उत्साहित दिखे। उन्होंने कहा, आज ब्रिगेड ग्राउंड में आप लोगों की हुंकार सुनने के बाद अब किसी को कोई संदेह नहीं रह जाएगा। कुछ लोगों को तो लगता होगा कि शायद आज 2 मई आ गई है। मोदी ने रैली के दौरान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से कई सवाल भी पूछे। उन्होंने ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी का नाम लिए बगैर उन पर हमला बोला। प्रधानमंत्री मोदी ने ममता बनर्जी पर भतीजे को लाभ पहुंचाने का आरोप लगाया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आज पश्चिम बंगाल के नौजवान, यहां के बेटे-बेटियां आपसे एक ही सवाल पूछ रहे हैं। उन्होंने आपको दीदी की भूमिका में चुना था। लेकिन आपने खुद को एक ही भतीजे की बुआ तक सीमित क्यों कर दिया? आपने एक ही प्रधानमंत्री मोदी ने ममता बनर्जी से सवाल करते हुए कहा, बंगाल के लाखों भतीजे-भतीजियों की आशाओं के बजाय आप अपने भतीजे का लालच पूरा करने में क्यों लग गईं? आप भी भाई-भतीजावाद के उन कांग्रेसी संस्कारों को छोड़ नहीं पाईं, जिनके खिलाफ आपने बगावत की थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, वामपंथियों के विरुद्ध ममता दीदी ने पोरिबॉर्तन का नारा दिया था। पश्चिम बंगाल से मां, माटी, मानुष के लिए काम करने का वादा किया था। पिछले 10 साल से यहां टीएमसी की सरकार है, क्या सामान्य बंगाली परिवार के जीवन में वो परिवर्तन आया जिसकी उसे अपेक्षा थी? प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आज बंगाल में मां, माटी, मानुष की क्या स्थिति है, ये आप भलीभांति जानते हैं। मां पर गली-गली में हमले होते हैं, घर में घुसकर हमले होते हैं। अभी हाल में जो अस्सी साल की बूढ़ी मां के साथ हुआ है, जो निर्ममता दिखाई गई है, उसने इन लोगों का क्रूर चेहरा, पूरे भारत को दिखा दिया है। माटी की बात करने वालों ने बंगाल का कण-कण, तिनका-तिनका, बिचौलियों, कालाबाजारी करने वालों और सिंडिकेट के हवाले कर दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बंगाल की जनता की परेशानी का हवाला देते हुए कहा, वो अपनों को इलाज के अभाव में दम तोड़ते देखता है। वो अवसरों के अभाव में अपनों को पलायन करते देख रहा है। और पूरा बंगाल अब एक स्वर में कह रहा है-आर नॉय औन्नॉय। आज बंगाल का मानुष परेशान है। वो अपनी आंखों के सामने अपनों का खून बहता देखता है। वो अपनों को अपनी आंखों से सामने लुटते देखता है।

हां, मैं अपने ...

लिए काम करता हूं। हमें कहा जाता है, मोदी अपने दोस्तों के लिए काम करता है। हम सब जानते हैं कि बचपन में हम जिनके बीच में पढ़े-खेले होते हैं, वे हमारे पक्के दोस्त होते हैं जीवनभर के। मैं भी गरीबी में पढ़ा-बढ़ा और इसलिए उनका दुख-दर्द क्या है, मैं इसे अनुभव कर पाता है। मैं दोस्तों के लिए काम करता हूं और दोस्तों के लिए ही काम करूंगा। पीएम मोदी ने कहा कि बंगाल में भी दोस्तों के लिए काम कर रहा हूं। 90 लाख गैस कनेक्शन दिए। मैंने अंधेरे में जी रहे अपने बंगाल के 7 लाख से अधिक दोस्तों को मुफ्त बिजली कनेक्शन दिया है। 60 लाख से ज्यादा शौचालय बनवाए। गरीब-पिछड़े, शोषित आदि को इन योजनाओं का लाभ मिला है। यहां के चाय बागान में काम करने वाले लोग हमारे विशेष दोस्त हैं। मेरे ऐसे कामों से उनकी भी कई परेशानियां कम हो रही हैं। इन चाय वाले दोस्तों को सोशल सिक्योरिटी मिलना तय हुआ है। प्रधानमंत्री ने कहा कि चाय वाले दोस्तों के लिए एक हजार करोड़ रुपयों का ऐलान किया। कोरोना ने पूरी दुनिया को परेशान किया, लेकिन गरीब दोस्त ज्यादा परेशान हुए। कोरोना के समय हर दोस्त को मुफ्त में राशन दिया, गैस कनेक्शन दिया और उनके बैंक अकाउंट में पैसे डाले। आप ही लोग मेरे दोस्त हैं। पीएम ने आगे कहा कि मेरे आप सभी दोस्त बताइए, दोस्ती चलेगी या तोलाबाजी? बहनो और भाइयो, आपके इसी जोश से दीदी और उनके साथियों की नींद उड़ी हुई है। तभी तो ये लोग कह रहे हैं कि इस बार खेला होबे।

ब्रिगेड मैदान के...

इस दौरान राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मुकुल रॉय, प्रदेश अध्यक्ष दिलीप घोष आदि बड़े नेता मंच पर मौजूद रहे। अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती को भाजपा में लाने की कोशिशें पिछले डेढ़ महीने में परवान चढ़ीं। बीते 16 फरवरी को मुंबई में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत से मिथन चक्रवर्ती ने भेंट की थी। जिसके बाद उनके भाजपा में जाने की अटकलें लगने लगीं थीं। अब प्रधानमंत्री मोदी की कोलकाता रैली के मौके पर भाजपा में शामिल होकर उन्होंने सभी अटकलों को विराम दे दिया। माना जा रहा है कि मिथुन की लोकप्रियता से बंगाल में भाजपा को चुनानी लाभ हो सकता है। मिथुन चक्रवर्ती की यह दूसरी राजनीतिक पारी शुरू हुई है, इससे पूर्व वह तृणमूल कांग्रेस के कोटे से अप्रैल 2014 में राज्यसभा पहुंचे थे।

सिंगौरगढ़ क्षेत्र...

कोविन्द ने कहा कि जनजातीय समुदायों में परम्परागत ज्ञान का अक्षय भण्डार संचित है। उन्होंने मध्यप्रदेश में एक विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा का उल्लेख करते हुये कहा कि इस समुदाय के लोग परम्परागत चिकित्सा के विषय में बहुत जानकारी रखते हैं। प्राय: वे असाध्य रोगों का अचूक इलाज भी करते हैं। परम्परागत आयुर्वेदिक औषधियों के प्र-संस्करण एवं निर्माण की योजनाओं में जनजातीय समुदाय की भागीदारी बहुत उपयोगी सिद्ध होगी। इस दिशा में कार्य करने की आवश्यकता है। राष्ट्रपति कोविन्द ने जनजातियों के ज्ञान को आधुनिक माध्यम से प्रसारित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षण संस्थान जनजातीय ज्ञान एवं शिल्प परम्परा का व्यापक स्तर पर उपयोगी अध्ययन कर सकते हैं। ऐसे अध्ययनों का लाभ पूरे देश को मिलेगा। शिक्षा ही किसी भी व्यक्ति या समुदाय के विकास का सबसे प्रभावी माध्यम होता है। अत: जनजातीय समुदाय के शैक्षिक विकास के लिये प्रयास करना आवश्यक है। श्री कोविन्द ने मध्यप्रदेश में किये जा रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह प्रशंसा की बात है कि मध्यप्रदेश में एकलव्य जनजातीय आवासीय विद्यालयों के निर्माण एवं संचालन पर विशेष बल दिया जा रहा है। साक्षरता और शिक्षा के प्रसार के लिये मध्यप्रदेश में कन्या शिक्षा परिसरों के निर्माण को प्रोत्साहित किया जा रहा है। राष्ट्रपति ने रानी दुर्गावती एवं शंकरशाह के नाम से स्थापित किये गये पुरुस्कारों की सराहना भी की। राष्ट्रपति श्री कोविन्द ने शासन की योजनाओं की जानकारी का उल्लेख भी अपने उद्बोधन में किया। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण योजना अनुसूचित जनजाति विकास के लिये विशेष योजना है। राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति वित्त एवं विकास निगम द्वारा योजना के तहत रियायती दर पर वित्तीय सहायता दी जाती है। हमारी जनजातीय बहनों और बेटियों को ऐसी योजनाओं से मदद लेकर आगे बढ़ना चाहिए। हम सबको मिलकर यह प्रयास करना है कि हमारे जनजातीय भाईयों, बहनों को आधुनिक विकास में भागीदारी करने का लाभ मिले और साथ ही उनकी जनजातीय पहचान और अस्मिता भी अपने सहज रुप में बनी रहे। राष्ट्रपति श्री कोविन्द ने अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस की अग्रिम शुभकामनाएँ सभी महिलाओं को दीं। यह दिन पूरे विश्व में महिलाओं के सशक्तिकरण के लिये संकल्पबद्ध होने का दिन है। आज से वर्षों पहले रानी दुर्गावती ने युद्ध क्षेत्र में महिला शक्ति का एक दुर्लभ उदाहरण पेश किया था। उस महान वीरांगना की स्मृति को नमन करते हुये सभी देशवासियों को विशेषकर सभी बहनों और बेटियों को अग्रिम महिला दिवस की बधाई देता हूँ। राष्ट्रपति ने पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी बाजपेयी का भी स्मरण किया। उन्होंने कहा कि सबसे पहले श्री अटल बिहारी बाजपेयी ने ही भारत सरकार में जनजातीय कार्य मंत्रालय का गठन किया था। उनका मानना था कि एक ऐसा मंत्रालय पृथक से होना चाहिए, जो जनजातीय वर्ग के लोगों के सर्वांगीण विकास के लिये कार्य करे। वर्तमान परिदृश्य में केन्द्र सरकार के साथ राज्य सरकारों द्वारा भी इस विभाग का संचालन किया जा रहा है।

रानी दुर्गावती ने ...

विकास संभव नहीं। जनजातियों में ज्ञान का, परंपरा का अपार भंडार है। इससे पहले सभी अतिथियों का स्वागत हुआ। उसके बाद सिंगौरगढ़ किले के शौर्य पर बनी डॉक्यूमेंट्री दिखाई गई। इसमें किले के ऐतिहासिक और सामरिक महत्व को बताया गया। इसके बाद स्कूल के बच्चों ने रानी दुर्गावती की वीरता पर गायन पेश किया। इसके बाद कलाकारों ने शास्त्रीय गायन पेश किया। इसके बाद राष्ट्रपति ने 26 करोड़ की योजनाओं का अनावरण किया। उन्होंने आदिरंग पोर्टल की भी ओपनिंग की। वही, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने मेरिट लिस्ट में आने वाली बच्चियों को सम्मानित किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने एक पुस्तिका का विमोचन किया।

विश्व हिन्दी लेखिका मंच भोपाल इकाई द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में कल्पना चावला की स्मृति में रविवार को हिन्दी भवन में आयोजित समारोह में साहित्यकार रेखा भटनागर को मध्यप्रदेश महिला रत्न सम्मान से अलंकृत किया गया।

स्वस्थ और निरोगी रहने की गारंटी समय पर हो लक्षणों की पहचान

भोपाल (हिनप्र)।

रविवार को ईदगाह हिल्स स्थित सिंधी कम्युनिटी हॉल में नानक टेकरी के तत्वावधान में निःशुल्क स्वास्थ्य चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा 150 से अधिक लोगों का स्वास्थ्य का परीक्षण किया गया।

शिविर का उद्घाटन भगवान झूलेलाल की तस्वीर पर दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस शिविर में शुगर, ब्लड प्रेशर व ईसीजी की जांच भी की गई। इस अवसर पर डॉक्टर राजेश भागचंदानी ने डायबिटीज से बचने के तरीके बताए। उन्होंने कहा कि आज हर उम्र के लोगों को डायबिटीज अपने चंगुल में ले रहा है। डायबिटीज की वजह गलत जीवनशैली, मोटापा, शारीरिक मेहनत न करना, मानसिक तनाव, वसा, चीनी या बहुत ज्यादा कैलरी वाला खान-पान। अगर हम अपनी जीवन शैली में थोड़ा बदलाव करे तो हम डायबिटीज पर आसानी काबू पा सकते हैं। इस अवसर पर जय किशन लालचंदानी, डॉ परमानंद राजानी, लाजपतराय वाधवानी, मनोहर किंगरानी, अमरलाल दावानी, नरेंद्र कटारिया, मोहन लालवानी, रवि आनंद, जगदीश साहिता सहित समाज के गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

पुलिस मुख्यालय को नहीं मिला बजट, सरकार ने बंद की योजना

भोपाल (काप्र)। खजुराहो, सांची, चंदेरी सहित विश्व प्रसिद्ध पुरातत्व महत्व की सुरक्षा अब जिला पुलिस के हवाले होगी। जिला पुलिस ही जवान यहां पर तैनात करेगी और इनका वेतन भी जिला पुलिस को ही देना होगा। दरअसल इतिहास, पुरातत्व और ऐतिहासिक महत्व के पर्यटक स्थलों की सुरक्षा को लेकर कुछ सालों पहले अलग से गार्ड तैनात करने की योजना शुरू हुई थी, जो अब बजट नहीं मिलने से बंद कर दी गई है। हालांकि बजट नहीं मिलने से सुरक्षा को लेकर कोई अंतर नहीं आएगा, जो जवान यहां पर तैनात हैं, वे तैनात रहेंगे लेकिन उनका वेतन इस योजना की जगह पर अब जिला पुलिस को देना होगा। प्रदेश सरकार ने सांची, बूडी, चंदेरी, गुना में पुरातत्व एवं खजुराहो के मंदिरों के लिए गार्ड तैनात करने के लिए एक योजना बनाई थी। इस योजना में पूर्व में लाखों रुपए दिए जाते थे। अब इस योजना को बंद कर दिया गया है। इस योजना का पैसा पुलिस की जिला स्थापना के सामान्य व्यय के रूप में भेजा जा रहा है। यहां पर तैनात जवानों और गार्ड का वेतन अब जिला पुलिस स्थापना बजट में से देगी।